

दो जुआफड़ों में बड़वारा व बरही पुलिस की रेड

19 जुआरियों से 1 लाख 9 हजार 500 रुपए सहित बाइक व मोबाइल जाप



कटनी। बड़वारा व बरही पुलिस ने दो अलग-अलग जुआफड़ों में दबिश देकर डेंड दर्जन से अधिक जुआरियों से 1 लाख 9 हजार 500 रुपए नीचे जस किए हैं। वहीं जुआरियों के कब्जे से मोबाइल फोन व वाहन भी जस किए गए हैं।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बड़वारा पुलिस को मुख्यियों से सचना मिली कि कटनी व उमरिया जिले की सीमा रेखा पर विलायतकला में स्टेशन मार्ग पर इन दिनों रोज बिसात बिछ रही है तथा रोज जुआरी

लाखों के बारे न्यारे कर रहे हैं। बताया जाता है कि मुख्यियों की इस सचना की तरफीक करने पुलिस मौके पर पहुंची तो मुख्यियों द्वारा बताए गए रखान पर 11 लोग जुआ खेलते पुलिस के हथे चढ़ गए। पुलिस ने जुआफड़ से 89000 रुपए व आधा दर्जन से अधिक मोबाइल फोन भी जस किए हैं।

गैरतलब है कि बड़वारा पुलिस के द्वारा इसके पूर्व ग्राम निहारा स्थिर एक फार्म हाऊस में दबिश देकर जुआफड़ का भंडा फोड़ किया था और जुआरियों के कब्जे से 1 लाख 57 हजार रुपए की जसी बनाई थी।

बहरहाल पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज केडिया के द्विस निर्देश व उपपुलिस अधीक्षक मुख्यालय शानिया परसरों के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित कर जुआफड़ में कोई गई इस कार्रवाई में बड़वारा थाना प्रभारी अकित मिश्र, सहायक उपनिषेक लक्ष्मीकांत विश्वकर्मा, प्रधान अरक्षक विजय रघुवीर सिंह, आरक्षक नंदु पटेल, सत्तोष यादव, अभ्य यादव व राजकुमार की भूमिका रही।

बरही में बारात घर के पास बिछी थी विसात

उभर बरही पुलिस ने ग्राम घबराई रास्त बारात घर के पास विसात बिछाकर बैठे आधा दर्जन से अधिक जुआरियों को पकड़ा है। जुआफड़ से 20 हजार 500 रुपए की जसी बनाई गई है तथा जुआरियों के कब्जे से लाखों के बारे न्यारे कर रहे हैं। बताया जाता है कि मुख्यियों की इस सचना की तरफीक करने पुलिस मौके पर पहुंची तो मुख्यियों द्वारा बताए गए रखान पर 11 लोग जुआ खेलते पुलिस के हथे चढ़ गए। पुलिस ने जुआफड़ से 89000 रुपए व आधा दर्जन से अधिक मोबाइल फोन भी जस किए हैं।

गैरतलब है कि बड़वारा पुलिस के द्वारा इसके पूर्व ग्राम निहारा स्थिर एक फार्म हाऊस में दबिश देकर जुआफड़ का भंडा फोड़ किया था और जुआरियों के कब्जे से 1 लाख 57 हजार रुपए की जसी बनाई थी।

</div

कटनी के स्टोन पर बना रहे अनमोल ‘कौड़ी’

शिल्पकार जितेन्द्र बेगढ़ ने कहा- कटनी का सेंड स्टोन काफी साप्ट, शिल्प बनाना आसान

कटनी। कौड़ियों के मोल.. मुहावरे का उपयोग लोग आम भाषा किसी बहुत सत्ती वस्तु के लिए करते हैं लेकिन कटनी में एक ऐसी कौड़ी बन रही है, जो अनमोल है। दरअसल कटनी के स्टोन को एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत चुना गया है और स्टोन को बढ़वा देने के लिए जागृति पार्क में 9 नवंबर से 28 नवंबर तक कटनी के कई राज्यों से आधारशिला का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश के कई राज्यों से आधारशिला कटनी के स्टोन पर कलाकृतियां उत्कर्ष रहे हैं। उन शिल्पकारों में इंदौर से एप शिल्पकार जितेन्द्र बेगढ़ भी शामिल हैं। कई साल से पत्थर पर शिल्पकारी कर रहे जितेन्द्र कटनी स्टोन आर्ट फेस्टिवल में कटनी के स्टोन पर विशाल ‘कौड़ी’ का निर्माण करने में जुटे हैं। शिल्पकार जितेन्द्र का कहना है कि कटनी के स्टोन पर कला दिखाने का उनका यह पहला अवसर है। उनका कहना है कि कटनी का पीला स्टोन काफी साप्ट है और इस कारण से उसपर शिल्प बनाना आसान है। 30 साल से शिल्पकाला से जुड़े बेगढ़ का कहना है कि कटनी का कटनी स्टोन आयोजन है और इसके लिए इसे एक नए पहचान मिलेगा।



फूड फेस्टिवल में लोग उठा सकेंगे स्वीटकॉर्न के व्यंजनों का लुक्फ

20 और 21 नवम्बर को जागृति पार्क में लगेगा राज स्वीटकॉर्न कैफे



कटनी। कटनी स्टोन आर्ट फेस्टिवल आधारशिला का आयोजन जागृति पार्क माध्यवनगर में किया जा रहा है। जिसमें स्टोन फेस्टिवल के साथ लोगों को जहां अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिल रहा है तो नए-एवं व्यंजनों का भी लुक्फ उठा रहे हैं।

जिले में स्वीटकॉर्न के लिये जाना जाने वाला तेवरी, जहां स्वीटकॉर्न के खाद्य का लेने जिले ही नहीं जिले के बाहर से भी लोग पहुंचते हैं। वहां स्वीट कॉर्न से बनने वाले लजीज व्यंजनों के लिये तेवरी में संचालित राज स्वीटकॉर्न कैफे के लिये जाना जाने वाला तेवरी, जहां स्वीटकॉर्न के खाद्य का लेने जिले ही नहीं जिले के बाहर से भी लोग पहुंचते हैं। वहां स्वीट कॉर्न से बनने वाले लजीज व्यंजनों के लिये जागृति पार्क में फूड फेस्टिवल के दौरान लोगों को तेवरी के प्रसिद्ध स्वीटकॉर्न के व्यंजनों का स्वाद उठाने का भी अवसर मिलेगा। इसके लिये 20 और 21 को

चुका है। राज स्वीट कॉर्न कैफे के स्वीटकॉर्न पकोड़े, स्वीटकॉर्न चाट, स्वीटकॉर्न सैलेड, स्वीटकॉर्न भेल, बॉइल दाने, मसाला मैगी कॉर्न, पास्ता कॉर्न मसाला, नूडल्स कॉर्न मसाला, स्वीटकॉर्न सूप, स्वीटकॉर्न हल्लवा और टेस्टी स्वीटकॉर्न हल्लवा, स्वीटकॉर्न सूप काफी फेमस है। जिले के नारायिक इन सभी लजीज स्वीटकॉर्न व्यंजनों के जायकों का माजा जागृति पार्क में ले सकेंगे। जागृति पार्क में फूड फेस्टिवल के दौरान लोगों को तेवरी के स्वीटकॉर्न के व्यंजनों को खाना उठाने का भी अवसर मिलेगा। इसके लिये 20 और 21 को

2530 किलोग्राम महुआ तथा 65 लीटर अवैध शराब की गई जास

कटनी। जिले में कलेक्टर प्रियक मिश्र के निर्देश पर अवैध शराब और सगाहण, परिवहन, विशेष एवं निर्माण की रोकथाम के लिये आवाकारी विभाग द्वारा विशेष अधिकारी विभाग द्वारा अतिरिक्त विभागीय अप्रैल द्वारा कार्रवाई करते हुए अवैध मदिरा एवं महुआ लाहन जल कर सर्वजली के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किये गये हैं। जिला आवाकारी अधिकारी अनिल जैन ने बताया कि आवाकारी विभाग द्वारा आवाकारी विभाग द्वारा अतिरिक्त विभागीय अप्रैल द्वारा बहिरासा, खिरहनीहर, सिंजहरा में दविया दी गई। इस दौरान 2530 किलोग्राम महुआ लाहन तथा 65 लीटर अवैध हाथधमी मदिरा जल की गई है। कार्रवाई में संवर्धित आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आवाकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के एवं च के तहत 4 न्यायालयीन प्रकरण पंजीबद्ध किये गये हैं। इस कार्रवाई में जसशुदा महुआ लाहन तथा अवैध शराब का अनुमानित मूल्य 1 लाख 36 हजार 250 रुपये है। मौके पर महुआ लाहन का सेमल लेकर नष्ट करने की कार्रवाई भी की गई है।



के सुभाष कुमार साहू और पूरन लाल साहू ने टीकाकरण नहीं कराया था। कृषकों का कहना था कि खेती के काम में लगे होने के कारण उन्हें समय नहीं मिल पा रहा है। टीम ने मौके पर ही उन्हें बैक्सीन की डोज दी। जिसके बाद कृषकों ने जिला प्रशासन की कोविड बचाव को लेकर की गई व्यवस्था की सराहना की।

इस साल 140 विद्यार्थियों को 22 लाख की छात्रवृत्ति देगी एसीसी

इच्छुक छात्र-छात्राएं 30 नवम्बर तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन



कैमोरा। एसीसी ट्रस्ट, कैमोरा सीमेन्ट वर्कर्स के विद्या उत्कर्ष परियोजना के अन्तर्गत एसीसी विद्या सारथी अनलाइन छात्रवृत्ति 2021-22 का साकेतिक शुभांग गत दिवस डायरेक्टर प्लाट के आर रेडी द्वारा किया गया। इस योजना के तहत सत्र 2021-22 में 140 विद्यार्थियों को 22 लाख रुपए की राशि छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान की जाएगी। पिछले साल इसके लिए कटनी जिले का मूल निवासी होना अनिवार्य है। बालिका शिक्षा प्रोत्साहन हेतु छात्रवृत्ति में छात्रों हेतु 50 प्रतिशत प्रतिवर्ष अतिरिक्त आवाकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के एवं च के तहत 4 न्यायालयीन प्रकरण पंजीबद्ध किये गये हैं। इस कार्रवाई में जसशुदा महुआ लाहन तथा अवैध शराब का अनुमानित मूल्य 1 लाख 36 हजार 250 रुपये है। मौके पर महुआ लाहन का सेमल लेकर नष्ट करने की कार्रवाई भी की गई है।

देने वाले छात्रवृत्ति प्रदान की जाती रही है। वर्ष 2020-21 से मेडिकल, नर्सिंग एनएमजी एनएम बीएससी नर्सिंग व स्नातकोत्तर एमएसडब्ल्यूएम बीएम टेक/एमसीए कोर्सों की भी उक्त योजना में शामिल किया गया है। योजना में पिछले वर्ष आवेदन किए हुए विद्यार्थियों को पुनः आवेदन करने की पात्रता है। एसीसी विद्या सारथी अनलाइन छात्रवृत्ति 2021-22 के विमोचन के अवसर पर डायरेक्टर प्लाट एसीसी कैमोरा के, आर. रेडी के साथ हेड एचआर एचपी सिंह, हेड लॉजस्टक जिंद्र सनाहद्या, हेड माइनिंग मोज शंकर सिंह, चीफमैनेजर एचआर. अमिताभ राजन, एसीसी सीएसआर प्रमुख श्रीमती ऐनेट एफ.विभास एवं एसीसी ट्रस्ट टीम की उपस्थिति रही।

कंगना का फूंका पुतला, देशद्रोह का मामला दर्ज हो



स्वतंत्रता संघान सेनानी उत्तराधिकारी संगठन ने एसीएम को सौंपा ज्ञापन

कटनी। स्वतंत्रता संघान सेनानी के सचिव अरविंद गुरु के नेतृत्व में सभी सदस्यों पदाधिकारियों के साथ संवेदनों लोगों के साथ शहर कार्यसाधन स्थिरण सिंह के साथ स्वतंत्रता सेनानी काशी बाई सोनी द्वारा कंगना स्नौत का पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर एसीएम को ज्ञापन सौंपकर देश के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से मांग की गई कि कंगना स्नौत पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया जा और उसे दिया गया। पदाधिकारी अवाकारी वारपाल, दिनेश वर्मा, बृजेश गुरु, आकाश तापकर, संतोष सिंह भट्टी, कलूद वासंत, गोपी बाणी, राम देव, दीपक विश्वकर्मी, अकिंता ज्ञानी, जगनु खान, नीलामी मसीह, नूरम चौधरी, सुमिता सोनी, सुमन राजन, अचना जायसवाल, करिशमा जायसवाल, लता खरे, सिंहगुलबी सैकड़ों की संख्या में लोगों की उपस्थिति रही।



पौधारोपण कर गनाया सतगुरु ईश्वरशाह का अवतरण दिवस कटनी। सतगुरु साईं ईश्वरशाह साहित्य विविध विभागों द्वारा निर्माण किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, सीएसपी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए सुझाव दिया। इस अवसर पर सतगुरु साईं ईश्वरशाह ने कहा कि अनादिकाल योग्यता एवं एक पौधे रोपने के लिए सुझाव दिया। इस अवसर पर मानव संघर्ष एवं प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है और उसका लाभ प्राप्त कर रहा है। मानव संघर्ष एवं एक पौधे रोपने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा जो जुड़ा हुआ है वह एक विभिन्न विभागों के लिए जुड़ा हुआ है।

वर्ष 2020-21 से मेडिकल, नर्सिंग एनएमजी एनएम बीएससी नर्सिंग व स्नातकोत्तर एमएसडब्ल्यूएम बीएम टेक/एमसीए कोर्सों के लिए शामिल किया गया है। योजना में पिछले वर्ष आवेदन किए हुए विद्यार्थियों को पुनः आवेदन करने की पात्रता है। एसीसी विद्या सारथी अनलाइन छात्रवृत्ति 2021-22 के विमोचन के अवसर पर डायरेक्टर प्लाट एसीसी कैमोरा के, आर. रेडी के साथ हेड एचआर एचपी सिंह, हेड लॉजस्टक जिंद्र सनाहद्या, हेड माइनिंग मोज शंकर सिंह, चीफमैनेजर एचआर. अमिताभ राजन, एसीसी सीएसआर प्रमुख श्रीमती ऐनेट एफ.विभास एवं एसीसी ट्रस्ट टीम की उपस्थिति रह

पंचायतों और निकायों में कोई छप नहीं छोड़ पाया अफसरी राज

कटनी। प्रदेश में शायद यह पहला अतिसर रहा जब लगातार डेढ़ दो साल से पंचायतों और नगरीय निकायों में जनता द्वारा निवाचित जनप्रतिनिधियों का प्रतिनिधित्व नहीं है। ग्राम पंचायतों में न पंच हैं ना सरपंच। जनपदों और जिला पंचायत भी अस्थक्ष और सदस्यों से खाली हैं तो वहीं नगरीय निकायों में भी परिषद अस्तित्वहीन है। जनप्रतिनिधियों की गैरमौजूदायी में पंचायतों और नगरीय निकायों के माध्यम से जनता को दी जाने वाली मूलभूत सेवाओं के सुचारू कलेक्टर प्रशासक के तौर पर पूरे काम काज की निगरानी कर रहे हैं तो नगर परिषदें ऐसे डी एम के हवाले हैं। पंचायतों में सचिवों का राज है। जनपदों और जिला पंचायत की बांगड़ोर मुख्य कार्यपालन अधिकारियों के हाथों में हैं। पंचायतों और निकायों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं ये अधिकारी चाहते हैं अपनी प्रशासनिक छमता से सिस्टम में कासवट लाकर सेवाओं को गति मिल पाई। निकट भविष्य में पंचायत चुनावों की संभावना को देखते हुए उम्मीद की जा रही कि अगले साल की शुरुआत तक पंचायतों को अफसरी राज से मुक्ति मिल जायेगी पर नगरीय निकायों में अभी कम से कम छह महीने तक अफसरों का ही शासन रहने के आसार हैं।

यश भारत
 खबर विशेष

संचालन से लेकर विकास कार्यों के क्रियान्वयन तक का दायित्व सीधे तौर पर अधिकारियों के पास है। नगर निगम में खुद अतिरिक्त बोझ समझते हुए इसके निर्वहन में कोई विशेष रुचि नहीं दिखाई जिसका परिणाम यह हुआ कि न तो सेवाएं ही बेहतर हुई ना ही विकास कार्यों को गति मिल पाई। निकट भविष्य में पंचायत चुनावों की संभावना को देखते हुए उम्मीद की जा रही कि अगले साल की शुरुआत तक पंचायतों को अफसरी राज से मुक्ति मिल जायेगी पर नगरीय निकायों में अभी कम से कम छह महीने तक अफसरों का ही शासन रहने के आसार हैं।

जनप्रतिनिधियों की गैरमौजूदगी से बदलाल हुई सेवाएं

उल्लेखनीय है कि जनवरी 2020 से लेकर मार्च 2020 तक प्रदेश में त्रि स्तरीय पंचायतों का कार्यकाल पूरा हो चुका था। सरकार ने भी पंचायत चुनावों के लिए मन्त्रालय सूची तैयार करने से लेकर आरक्षण निर्धारण तक की प्रक्रिया पूरी कर ली थी। बस पंचायत चुनावों का कार्यक्रम घोषित होना शेष था तभी कारोना के बढ़ते प्रकोप के कारण पूरी देश प्रदेश में पंचायत चुनावों की घोषणा नहीं हो सकी। इस बीच प्रदेश में विधानसभा और लोकसभा की रिक्त सीटों के लिए उपचुनाव करा लिए गए पर पंचायत चुनाव टलते ही चले गए। पंच-परिषद नहीं होने से ग्राम पंचायतों में सचिवों का राज हो गया वहीं जननद और जिला पंचायत का जिम्मा मुख्य कार्यक्रमों के अधिकारियों के द्वारा राज में निरुक्त होती रही। ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों को बन्टन वाले सस्ते खाद्यान सहित तमाम तरह की योग्यता और रोजगार मूलकायों पर भी इसका असर दिखा। मनरेंगों के कार्यों पर विराम लग गया। पंचायतों के माध्यम से कराये जाने वाले स्वीकृत विकास कार्य अधूरे रह गए। प्रधानमंत्री आवास जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं जें जमकर बंदबांट हुईं। मंगलवार को होने वाली जन सुनवाई में समस्याएं और अन्य अधिकारियों की शिकायत लेकर कलेक्टर के चक्र लगाने पड़े। जन सुनवाई में उमड़े वाली भीड़ के चलते कलेक्टर को स्वरूप जनपद में जाकर लोगों की समस्याएं सुनें



विकास कार्यों को नीं नहीं गिली रूपाएँ

तैयारियों फिर तेज कर दी हैं। जल्द ही जिला पंचायत अस्थक्ष पर के आरक्षण का निर्धारण होना है। आरक्षण की प्रक्रिया पूर्ण होते ही चुनाव कार्यक्रम घोषित हो जाएगा। उम्मीद की जा सकती है कि अगले साल जनवरी तक त्रि स्तरीय पंचायतों पुरु: बहाल हो जाएंगी। मार्च

निकाय चुनावों की तैयारी भी कर ली थी पर कोरोना के साथ-साथ आरक्षण को लेकर च्यावालयों में दायर की गई याचिकाओं ने निकाय चुनावों पर भी बोके लगा दिया। कटनी नगर निगम में परिषद का कार्यकाल खत्म होने के बाद यहां के प्रसाशनिक मुख्य

कलेक्टर को प्रशासक नियुक्त किया गया। तब से अब तक नगर निगम की सारी व्यवस्था उन्हें के हवाले है। नगर की साफ-सफाई से लेकर सड़क, बिजली, पानी, स्ट्रीट लाइट, पर्वों पर विशेष व्यवस्थाएँ सब कुछ उन्हें के द्वारा निर्देशन में चल रही। व्यवस्थाएँ चाक चैबंद होने के किन्तने ही दो बारे कि जाएं पर हकीकित यही है कि सेवाएं पहले से बेहतर हुई हैं। बाइक, परेशानी और शिकायतें और बढ़ी हैं। चाहे सीवर लाइट के लिए खोदे गए गड्ढे में गिरने से मासूम बच्चों की मौत का मामला हो या सड़कों की जर्जर हालत हो या फिर जगह जगह हो रहे अवैध निर्माण की शिकायतें हो हर जगह प्रशासनिक कार्यालय का अधिकाल सफाक नजर आ रहा। नागरिकों को मिले वाली सेवाओं के स्तर में लगातार गिरावट आई है। अफसोसों तो इस बात के होने के असार नजर नहीं आ रहे। आरक्षण को लेकर दायर की गई याचिकाओं को निराकरण अभी नहीं हुआ। आरक्षण को लेकर हाईकोर्ट की ग्वालियर खंड पीठ के एक निर्णय के विरुद्ध सरकार सुप्रीम कोर्ट जा चुकी है। इस साल के अंत तक भी निकाय चुनाव हो पाने की उम्मीद नहीं दिख रही। कहा तो यहां तक जा रहा कि निकाय चुनाव के लिए अगले साल नकेल नकेल मतदाता सूची नहीं तैयार करनी पड़ सकती है बल्कि आरक्षण भी नए सिरे से करना पड़ सकता है। ऐसा हुआ तो अगले छह महीने तक निकाय चुनाव नहीं हो पाएंगे।

नगर परिषदों में रुके हैं विकास कार्य

जिले की तीन नगर परिषदों के मोर, विजयराधवगढ़ और बरही का कार्यकाल भी जनवरी 2020 में खत्म हो गया था। यहां एस डी एम को प्रशासक नियुक्त किया गया। कोविड के दौरान चाहे यात्रा की अनुमति लेनी हो या शादी व्याह की लोग एस डी एम के चक्रार ही लगाते रहे। कोरोना की लहर खत्म होने के बाद भी मरीजों सासाहिक बाजारों को बंद रखा गया। कैमोर नगर परिषद में बस स्टैंड निर्माण के लिए भूमिपूजन के एक साल बाद भी कार्यक्रम शुरू नहीं हो सका। पनिहाई धाम के विकास कार्यों की फाइल भी अटकी रही। कैमोर और बरही में लंबे समय तक कई सी एम और नहीं रहा। इन सब बातों से नगर परिषदों के अनेक विकास कार्यों आगे बढ़ दी ही नहीं पाए जो शुरू हुए भी उन्में अधिकारीराज की उद्यासीनता सफाईलके रही। ऐसे में सेवाओं और विकास कार्यों की सुधु लेने वाला भी कोई नहीं है। अधिकारी चाहें तो छह महीने के इस समय में वे अपनी कार्य कुशलता और प्रसाशनिक छमता से निकायों के हालात बदल सकते हैं।

अधिक खबरों के लिए लॉगिन करें www.yashbharat.com

दुनिया का नं.1 ब्रांड

SAMSUNG

UP To
22.5%
Additional
Cash
Back
0%
Finance
Scheme
Exchange
Offer



Free
Sound
Bar
9990/-
For
Selected
TVs

आयुष प्लाज़ा
सेमसंग एक्सक्वल्यूसिव शोरूम

विशाल मैगेजार के पास वर्टेग्राम कटनी, मो. 9893366435, 8319908847

पोर कोविड समस्याओं के सही इलाज के लिए मिलें Pulmonologist

डॉ. रिमता बजाज

MBBS, DTCD, CCEDM

टी.बी., दमा, श्वास, खांसी, एलर्जी एवं डायबोटीज ट्रोलिस्ट
मोसम बदलने पर बाय-बाय खांसी आना, साल भर सर्दी बने रहना, एलर्जी की शिकायत होना एवं नींद में सीटी की आवाज आना
नोट- स्पायरोमीटरी (फेफड़ों की कम्प्यूटरीकृत जांच) एवं (एलर्जी ट्रेटिंग) की सुविधा उपलब्ध है।

संपर्क करें- डॉ. राजीव बजाज (शिशु ट्रोलिस्ट)

कहैया हापिटल, माई नदी के पास बरही रोड, कटनी

फोन-07622-236253, मो. 6266203009

यदि आप तक समय पर यश भारत करें फोन- 230033

रत्ना मैरिज गार्डन

मुड़वारा रेस्टेशन के पास

शहर के मध्य सुविधाओं से युक्त विशाल परिसर

बजट आपका व्यवस्था हमारी

एक बार अवश्य पधारें

शादी विवाह व अन्य आयोजन के लिए 100 व्यक्तियों की उत्तम व्यवस्था, जनवारा अलग से

पाठक वार्ड, कटनी

संपर्क :- 9425466630, 7999523588

पाठक वार्ड, कटनी

संपर्क :- 9425466630, 7999523588

पाठक वार्ड, कटनी

संपर्क :- 9425466630, 7999523588

पाठक वार्ड, कटनी

संपर्क :- 9425466630, 7999523588